Sem-III | Techniques of Data Collection | Pol. Sc.
MPOLCC-11 | आँकड़ों के संकलन की तकनीक | Dr. S. B. Ks.

Questionnaire (प्रश्नावली)

सामाजिक अनुसंधान प्रक्रिया में शोधकर्ता आँकड़े एकत्रित करने के लिए जिन विधियों का प्रयोग करता है, उनमें प्रश्नावली (Questionnaire) का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रश्नावली अनेक प्रश्नों से युक्त एक ऐसी सूची होती है जिसमें अध्ययन विषय से संबंधित विभिन्न पक्षों के बारे में पहले से तैयार किए गए प्रश्नों का समावेश होता है। प्रश्नावली विधि को डाक प्रश्नावली विधि (Mail Questionnaire Method) भी कहते हैं।

गुडे एवं हाट के अनुसार "सामान्य रूप में प्रश्नावली का अर्थ प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने की उस प्रणाली से है जिसमें एक फार्क, प्रारूप या प्रपत्र का उपयोग किया जाता है जिसे उत्तरदाता स्वयं भरता है।"

इस प्रकार प्रश्नावली प्रश्नों की एक ऐसी सूची होती है जिसे डाक या अन्य किसी मानवीय संस्था के माध्यम से उत्तरदाता को भेजा जाता है। अतः आँकड़े एकत्रित करने की इस विधि से शोधकर्ता तथा उत्तरदाताओं के मध्य कोई प्रत्यक्ष संपर्क नहीं होता। स्वयं उत्तरदाता प्रश्नावली में निहित प्रश्नों को समझकर एवं उनके प्रत्युत्तरों को भर कर शोधकर्ता को लौटाता है। प्रश्नावली का प्रयोग विशेषकर वैसे अनुसंधानों के अंतर्गत किया जाता है जिनमें बड़ी संख्या में परिमापनीय एवं योगात्मक आँकड़ों की आवश्यकता होती है।

प्रश्नावली की विशेषताएँ (Characteristics of Questionnaire)

एक अच्छी प्रश्नावली की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं:

1) प्रश्नों की संख्या संतुलित होनी चाहिए।
2) प्रश्नों का क्रम वैज्ञानिक तरीके से रखा जाना चाहिए।
3) प्रश्नों की भाषा सरल होनी चाहिए।
4) प्रश्नों का स्वभाव (nature) संकोचरहित होना चाहिए।
5) प्रश्नों का वर्गीकरण होना चाहिए।
6) प्रश्नों का आकार-प्रकार भी संतुलित होना चाहिए।
7) प्रश्नों का क्षेत्र विषय से संबंधित होना चाहिए।
8) प्रश्नावली के साथ आमुख पत्र (Covering letter) भी होना चाहिए।
9) प्रश्नावली में उत्तरदाताओं के लिए गोपनीयता का आश्वासन रहना चाहिए।
10) प्रश्नावली में उत्तर लिखने के लिए पर्याप्त रिक्त स्थान होना चाहिए।
11) प्रश्नावली में इसके उद्देश्य का भी विवरण होना चाहिए।
12) प्रश्नावली में कुछ ऐसे प्रश्न भी रखे जाने चाहिए जिनके उत्तरों की शुद्धता की परस्पर जाँच की जा सके।

प्रश्नावली के उद्देश्य (Objectives of Questionnaire)

इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

1) अध्ययन की सुविधा और सरलता (Convenience and Simplicity of Study)

Scanned with CamScanner

2.) दूरस्थ तथा विस्तृत क्षेत्रों का अध्ययन (Study of distant and wider Area)
3.) व्यवस्थित अध्ययन (Systematic Study)
4.) वस्तुपरक अध्ययन (Objective Study)
5.) कम खर्चीला (Less expensive)
6.) कम समय कम परिश्रम (less time less Labour)
7.) द्रुतगामी अध्ययन (Quick Study)

प्रश्नावली के प्रकार [Types of Questionnaire]

सभी प्रश्नावलियाँ एक समान प्रकृति की नहीं होती हैं। अध्ययन की प्रकृति, प्रश्नों के प्रकार तथा उत्तरदाताओं की विशेषताओं के दृष्टिकोण से एक-दूसरे से भिन्न प्रकार की प्रश्नावली बनाई जा सकती हैं। प्रश्नावलियाँ निम्न प्रकार की पाई जाती हैं :

1.) संरचित प्रश्नावली (Structured Questionnaire) – संरचित प्रश्नावली सामाजिक सर्वेक्षण अथवा अनुसंधान में प्रयोग की जानेवाली वह प्रश्नावली है जिसकी रचना वास्तविक अध्ययन आरंभ होने से पहले ही कर ली जाती है और साधारणतया बाद में इनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाता है। पी० वी० यंग ने लिखा है, "संरचित प्रश्नावलियाँ ऐसी मापक यंत्र हैं जिसमें निश्चित, मूर्त और पूर्व निर्धारित प्रश्न होते हैं। प्रश्नावली के प्रश्न पहले से तैयार रखे जाते हैं। प्रश्न करने की अवधि में उसी स्थान पर प्रश्नों का निर्माण नहीं किया जाता है।"

ऐसी प्रश्नावली का उपयोग एक विस्तृत अध्ययन क्षेत्र में फैले हुए व्यक्तियों से प्राथमिक तथ्यों का संकलन करने तथा संकलित तथ्यों की पुनर्परीक्षा करने के लिए किया जाता है। संरचित प्रश्नावली में जिन प्रश्नों का समावेश किया जाता है वे अत्यधिक निश्चित, क्रमबद्ध और स्पष्ट होते हैं तथा प्रत्येक उत्तरदाता के लिए इनकी प्रकृति समान होती है।

2.) असंरचित प्रश्नावली (Unstructured Questionnaire)

असंरचित प्रश्नावली वह होती है जिसमें अनुसंधानकर्ता पहले से कोई प्रश्न लिखकर तैयार नहीं रखता। शोध करते समय जो प्रश्न उपयोगी होते हैं समय के अनुसार उनका निर्माण कर लिया जाता है तथा उत्तरदाता उनका उत्तर भेज देता है।

एक अध्ययनकर्ता ऐसी प्रश्नावली की सहायता से आरंभ में यह ज्ञात करने का प्रयत्न करता है कि किस प्रकार के प्रश्नों और उनके एक विशेष क्रम के द्वारा सर्वोत्तम सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती हैं। यही कारण है कि ऐसी प्रश्नावली हमें तभी लाभदायक होती है जब अध्ययन का क्षेत्र सीमित हो तथा प्रत्येक उत्तरदाता से संपर्क स्थापित करना संभव हो।

3.) बन्द प्रश्नावली (Closed Questionnaire)

प्रश्नावली का यह प्रकार अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अनेक संभावित उत्तर दे दिए जाते हैं तथा उत्तरदाता को उन्हीं उत्तरों में से किसी एक उत्तर को चुनकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करना होता है। अर्थात् बन्द प्रश्नों का उत्तर देने के लिए उत्तरदाता के पास अनेक विकल्पों में से कोई एक

Scanned with CamScanner

विकल्प चुनने की स्वतंत्रता रहती है। ऐसी प्रश्नावली का प्रमुख लाभ यह है कि इससे प्राप्त सूचनाओं का सरलता से सारणीयन (tabulation) करके उनका वर्गीकरण किया जा सकता है।

4) खुली हुई प्रश्नावली (Open Questionnaire)

इस प्रकार की प्रश्नावली में प्रश्नों के साथ उनके संभावित उत्तर नहीं दिए जाते बल्कि उत्तरदाता से यह आशा की जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार कोई भी उत्तर दे। इसमें प्रत्येक प्रश्न के सामने कुछ खाली स्थान छोड़ दिया जाता है जिससे कि उस स्थान पर उत्तरदाता अपना उत्तर लिख सके। प्रश्नावली में खुले प्रश्न तब बनाए जाते हैं जब कोई शोधकर्ता किसी अध्ययन समस्या के संबंध में गुणात्मक, विवरणात्मक या विस्तृत जानकारी प्राप्त करना चाहता है।

5) तथ्य संबंधी प्रश्नावली (Factual Questionnaire)

इस प्रश्नावली में अनुसंधान समस्या से संबंधित तथ्यों का संग्रह किया जाता है।

6) मत या अभिवृत्ति प्रश्नावली (Opinion and Attitude Questionnaire)

इस प्रश्नावली की सहायता से शोधकर्ता उत्तरदाताओं के मत या अभिवृत्तियों का अध्ययन करता है।

7) चित्रमय प्रश्नावली (Pictorial Questionnaire)

साधारणतया प्रश्नावली का उपयोग केवल शिक्षित समूह के लिए ही किया जाता है लेकिन कोई समूह कम शिक्षित हो और दूसरी ओर यदि व्यक्तियों से प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित करना किसी कारण कठिन समझा जाता हो तो ऐसी स्थिति में चित्रमय (Pictorial) प्रश्नावली के द्वारा तथ्यों को संग्रह करने का प्रयत्न किया जाता है। ऐसी प्रश्नावली में प्रत्येक प्रश्न को बहुत सरल ढंग से प्रस्तुत किया जाता है और उसके संभावित उत्तरों के स्थान पर विभिन्न चित्र इस प्रकार प्रदर्शित किए जाते हैं जिससे उत्तरदाता चित्रों के आधार पर अपने उत्तर को सरलता से चिह्नित कर सके। बच्चों की मनोवृत्तियों अथवा रुचियों का अध्ययन करने के लिए भी ऐसी प्रश्नावलियाँ उपयोग में लाई जाती हैं।

8) मिश्रित प्रश्नावली (Mixed Questionnaire)

मिश्रित प्रश्नावली वह होती है जिसमें प्रश्नों की प्रकृति किसी एक स्वरूप तक ही सीमित न होकर अनेक प्रकार के प्रश्नों से संबंधित होती है। ऐसी प्रश्नावली में साधारणतया बन्द और खुले हुए सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश होता है। एक विशेष सूचना अथवा विचार प्राप्त करने के लिए जिस प्रकार के प्रश्न को सबसे अधिक उपयुक्त समझा जाता है, उसका ऐसी प्रश्नावली में समावेश कर लिया जाता है। वास्तविकता यह है कि सामाजिक तथ्य इतने जटिल और विविधतापूर्ण होते हैं कि एक विशेष प्रकृति के प्रश्नों द्वारा ही उन सभी को ज्ञात कर सकना बहुत कठिन होता है विषय का व्यापक तथा गहन अध्ययन करने के लिए मिश्रित प्रश्नावली का उपयोग करके ही विश्वसनीय तथ्य प्राप्त किए जा सकते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्नावली के गुण/दोष (Merits and Demerits of Questionnaire)

प्राथमिक तथ्यों को प्राप्त करने में प्रश्नावली प्रणाली बहुत महत्वपूर्ण है। इसके गुणों के कारण तथ्यों को आसानी से एकत्र किया जा सकता है। प्रश्नावली के कुछ गुण (लाभ) इस प्रकार हैं:

1.) विशाल अध्ययन (Vast Study)
2.) कम व्यय (Less Expenses)
3.) सुविधाजनक (Convenient)
4.) पुनरावृति की संभावना (Possibility of Repetition)
5.) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष सूचना (Free and Impartial Information)
6.) वस्तुपरक अध्ययन (Objective Study)
7.) प्रमाणिक सूचनाएँ (Authentic Information)
8.) आँकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण की संभावना (Possibility of Statistical Treatment)
9.) तुलनात्मक अध्ययन (Comparative Study)

यह प्रणाली पूर्णरूपेण दोषमुक्त नहीं है। इसकी कुछ अपनी सीमाएँ हैं जो इस प्रकार हैं:

1.) प्रतिनिधित्वपूर्ण निदर्शन की संभावना नहीं (No possibility of Representative Sampling)
2.) गहन अध्ययन के लिए अनुपयुक्त (Unsuitable for deeper Study)
3.) पूर्ण सूचना की कम संभावना (Less possibility of Complete Information)
4.) उत्तर प्राप्ति की समस्या (Problem of Response)
5.) सार्वभौमिक प्रश्न असंभव (Impossibility of Uniform Questions)
6.) शोधकर्ता की सहायता का अभाव (Lack of Researcher's Help)
7.) सूचनाओं की अविश्वसनीयता (Unreliability about Data)
8.) अस्पष्ट लिखाई (Unclear writing)

——x——

Scanned with CamScanner